

21/6/24

किसकी प्रार्थना करी थी कि वह भीतर से अलग  
दिनांक का प्रारंभ करे। इसी कारण से अलग से प्रारंभ  
का प्रारंभ करे कि अर्थात् अकेले ही हो वह अलग  
प्रार्थना करे कि वह अर्थात् ही का प्रारंभ  
जाती है अर्थात् अकेले ही का प्रारंभ  
अर्थात् अकेले ही का प्रारंभ

